



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

22 आषाढ़, 1940 (श०)

संख्या- 668 राँची, शुक्रवार

13 जुलाई, 2018 (ई०)

खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग

संकल्प

5 जुलाई, 2018

विषय:- सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत कार्यरत किरासन तेल ठेला भेण्डरों को जन वितरण प्रणाली दुकानदार के रूप में परिणत करने में छूटे हुए अनुज्ञप्तियों को शामिल करने की स्वीकृति ।

संख्या-06/ज.वि.प्र. (ठेला भेण्डर)/04-2016 खा.आ.-2145, -- विभागीय संकल्प संख्या 2774, दिनांक 27 जून, 2017 के द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत राज्य में कार्यरत किरासन तेल ठेला भेण्डरों को जन वितरण प्रणाली दुकानदार के रूप में परिणत करने की स्वीकृति प्रदान की गयी है ।

2. उक्त संकल्प के साथ ठेला भेण्डरों की जिलावार अनुमोदित कुल संख्या 2749 दर्शायी गयी है। यह सभी जिलों से प्राप्त ठेला भेण्डरों की संख्या के आधार पर तय किया गया था ।

3. परन्तु हजारीबाग जिला के द्वारा प्रेषित प्रतिवेदन में चार प्रखण्डों यथा केरेडारी, दारू, विष्णुगढ़ एवं सदर प्रखण्ड की सूची संलग्न नहीं थी, जिस कारण वहाँ के 30 ठेला भेण्डरों को जन वितरण प्रणाली दुकानदार के रूप में परिणत नहीं किया गया था ।

4. उपरोक्त के संबंध में संबंधित ठेला भेण्डरों द्वारा बार-बार अनुरोध किया जा रहा है कि उनको जन वितरण प्रणाली दुकानदार के रूप में परिणत किया जाय । साथ ही कुछेक जिलों से कई प्रक्रियात्मक विषयों पर मार्गदर्शन की माँग की जा रही है ।

5. उक्त परिस्थिति में हजारीबाग जिला के छोटे हुए चार प्रखण्डों यथा केरेडारी, दारू, विष्णुगढ़ एवं सदर प्रखण्ड के 30 ठेला भेण्डरों को भी जन वितरण प्रणाली दुकानदार के रूप में परिणत किये जाने का निर्णय लिया जाता है । भविष्य में ऐसे निर्णय लेने में विभाग स्वयं सक्षम होगा । साथ ही किरासन तेल ठेला भेण्डरों को जन वितरण प्रणाली दुकानदार के रूप में परिणत करने से संबंधित प्रक्रियात्मक/नीतिगत निर्णय विभाग अपने स्तर से करने में सक्षम रहेगा ।

6. ठेला भेण्डर से संबंधित पूर्व में निर्गत सभी विभागीय आदेश/ संकल्प/अधिसूचना/पत्र आदि को इस हद तक संशोधित किया जाता है ।

7. उक्त से संबंधित विभागीय संलेख संख्या-1988, दिनांक 21 जून, 2018 पर मंत्रिपरिषद् के दिनांक 26 जून, 2018 की बैठक के मद संख्या-01 के रूप में स्वीकृति प्राप्त है ।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

अमिताभ कौशल,
सरकार के सचिव ।
